प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

समन्वित जैविक खेती मॉडल से छोटे किसानों को आय के नए अवसरः पंतनगर विश्वविद्यालय की पहल

पंतनगर। 22 सितम्बर 2025। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अन्तर्गत डा. नारमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र पर प्राकृतिक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम (ऑल–इण्डिया नेटवर्क प्रोग्राम आन नेचुरल फार्मिंग) चलाया जा रहा है। यह परियोजना वर्ष 2004–05 से पंतनगर विश्वविद्यालय में चलाई जा रही है। इस परियोजना के अन्तर्गत छोटे किसानों हेतु वर्षभर एवं अधिक आय लेने के उद्देश्य से एक एकड़ में समन्वित जैविक खेती मॉडल का विकास किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत गो–पालन, मछली पालन, गन्ना आधारित फसलोत्पादन व सब्जी उत्पादन मुख्य अवयव है तथा सभी का जैविक तरीके से मुख्य प्रवन्धन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज परियोजना अधिकारी, डा. डी.के. सिंह द्वारा कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान को भ्रमण कराया गया गया। परियोजना आधिकारी द्वारा कुलपति को अवगत कराया गया कि किस तरह से एक एकड़ प्रक्षेत्र से प्रतिवर्ष कुल रु. 2.5 से 3.0 लाख तक जैविक अपनाकर तथा विभिन्न अवयवों से आय अर्जित की जा सकती है। कुलपति द्वारा एक एकड़ में विकसित किये जा रहे समन्वित जैविक खेती मॉडल की सराहना की तथा यह यी निर्देशित किया गया कि इस एक एकड़ मॉडल में मुर्गी व बकरी पालन को भी समन्वित किया जाये। इस अवसर पर निदेशक शोध व अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चन्द्रा, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल, संयुक्त निदेशक फसल अनुसंधान केन्द्र डा. एस.के. वर्मा, सह परियोजनाधिकारी संतोष कुमार यादव इत्यादि उपस्थित थे।